आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. RJ/UDI/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस, उदयपुर
प्रेषण दिनांक :-प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2558 • उदयपुर, रविवार 26 दिसम्बर, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

चल पड़ी थमी हुई जिन्दगी

दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, 10 को व्हीलचेयर, 10 को बैसाखी जोड़ी प्रदान की गई। जबकि 10 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग व कैलिपर लगाने के लिए मेजरमेंट लिया गया। चार दिव्यांगों का पोलियो सुधार के लिए निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। शिविर की अध्यक्षता समाजसेवी श्री रघुनाथ जी गोयल ने की। विशिष्ट अतिथि श्री रमेश जी सिंगला थे। दिव्यांगों का चयन डॉ. एस. एल. गुप्ता, टेक्निशियन नाथूसिंह जी व किशनलाल जी ने किया। अतिथियों का स्वागत स्थानीय आश्रम प्रभारी श्री गणपत जी रावल ने जबकि संचालन श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

कांगड़ा– हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के ज्वालाजी नगर में कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। मातृ सदन सरस्वती विद्यालय परिसर के निकट सम्पन्न शिविर में 28 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) तथा 40 के पांवों में कैलिपर लगाए गए।

टेक्नीशियन श्री नरेश जी वैष्णव व श्री किशन जी लौहार ने माप के अनुसार कृत्रिम अंग फिट किए। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रेमकुमार जी धूमल थे। अध्यक्षता राज्य के पूर्व मंत्री श्री रमेश जी घवाला ने की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में नारायण सेवा संस्थान की हमीरपुर शाखा के संयोजक श्री रसीलसिंह जी मानकोटिया, पत्रकार श्री संजय जी जोशी, पूर्व मंत्री श्री रवीन्द्र जी रवि, समाजसेवी श्री पंकज जी शर्मा व श्री रामस्वरूप जी शास्त्री मौजूद थे। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने अतिथियों का स्वागत एवं श्री रमेश जी मेनारिया ने आभार व्यक्त किया।

नरवाणा– हरियाणा के जींद जिले के नरवाना शहर में निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। संस्थान की नरवाना शाखा के तत्वावधान में सम्पन्न शिविर में 37 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ–पैर तथा 25 को कैलीपर लगाए गए। मिलन पैलेस में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि महंत श्री अजयगिरि जी महाराज थे। अध्यक्षता नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्री भारत भूषण जी गर्ग ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. जय सिंह जी गर्ग, श्री प्रवीण जी मित्तल व राकेश जी शर्मा मंच पर बिराजे थे। स्थानीय शाखा के प्रभारी श्री राजेन्द्र जी गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया। कृत्रिम अंग लगाने का कार्य संस्थान के टेक्नीशियन श्री भंवरसिंह जी व श्री नरेश जी वैष्णव ने किया। संचालन श्री हरिप्रसाद जी लढ्ढा ने जबकि व्यवस्था में श्री मुन्नासिंह जी, भरत कुमार जी व रामसिंह जी ने सहयोग किया।

छतरपुर– केयर इंग्लिश स्कूल, छतरपुर (मध्यप्रदेश) में आयोजित शिविर में 39 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग (हाथ–पैर) व 9 को कैलिपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. रामकुमार जी अवस्थी थे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उनके साथ मंच पर रॉटरी क्लब के सचिव श्री स्वतंत्र जी शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश जी सोनी, इनव्हील क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जी चौबे समाजसेवी श्री पंकज कुमार जी, व श्री उमेश जी ललवानी मौजूद थे। अध्यक्षता रॉटरी क्लब के अध्यक्ष श्री मुकेश जी चौबे ने की।

गुरुग्राम– वैश्य समाज की सेक्टर–4 स्थित धर्मशाला में सम्पन्न दिव्यांग जांच, ऑपरेशन, चयन, कृत्रिम अंग माप एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर से बड़ी संख्या में दिव्यांग भाई–बहन लाभान्वित हुए। मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक ऑटोमोटिव इंडिया प्रा. लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री विशाल जी नागदा के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न शिविर में 20

संकेत खड़ा होगा चलेगा भी

वहेगाँव, जिला–बालाघाट (म.प्र.) निवासी अजयलाल बिशेन (पलस्तर मिस्त्री) का 9 वर्षीय पुत्र संकेत जन्म से ही पाँव पर खड़ा नहीं रह पाता था। नागपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज भी हुआ। साल भर एक्सरसाइज भी करवाई पर आराम नहीं हुआ। बालक के इलाज के लिए यहाँ आए अजयलाल व उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय पहले हमारे पड़ोस के गांव की एक बच्ची नारायण सेवा संस्थान के पोलियो चिकित्सालय से उपचार करवा कर लौटी थी। अब वह सामान्य कामकाज कर लेती और चलती–फिरती भी है। उससे सारी जानकारी लेने के बाद हम यहाँ आए। जाँच हुई और निर्धारित तिथि पर ऑपरेशन हो गया। यहाँ काफी दूर–दूर से पोलियो व सीपी ग्रस्त बच्चों व युवाओं को देखा जो ऑपरेशन के बाद खुश हैं। हमें भी उम्मीद है कि संकेत खड़ा होगा और चलेगा भी। यहाँ इलाज, आवास, भोजन निःशुल्क है। देखभाल भी बहुत अच्छी है। हम तो दानदाताओं से यही करबद्ध प्रार्थना करेंगे कि वे संस्थान को ज्यादा से ज्यादा सहयोग करें ताकि हम जैसे गरीबों के बच्चे इलाज पाकर मायूसी से उबर सकें।

याशा चलने लगी

रूस के मास्को प्रान्त निवासी जुलिया अपनी 11 वर्षीय पुत्री याशा को लेकर संस्थान में आई। याशा पोलियो ग्रस्त थी और चारों हाथ–पैरों से पशुवत् चलती थी। संस्थान के डाक्टर्स द्वारा दिये गए कैलीपर्स से यह बालिका– जो पहले बिना सहारे खड़ी भी नहीं हो पाती थी, बिना

सहारे के खड़ी होने लगी। संस्थान की निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल बताती हैं कि यह कन्या इस संस्थान में आई थी और आज ठीक होकर यहाँ से जा रही है–यह संस्थान के लिए बहुत ही सौभाग्य का अवसर है। विदाई के अवसर पर आँखों से खुशी के आँसू छलकाते हुए

जूलिया ने कहा कि– नारायण सेवा संस्थान के निःस्वार्थ प्रयासों से जिस तरह मेरी बेटी अपने पैरों पर खड़ी हो रही है उसी तरह पोलियो से ग्रस्त प्रत्येक व्यक्ति लाभान्वित हो सके–ऐसी मेरी शुभकामनाएँ हैं। संस्थान के संस्थापक चेयरमेन– श्री कैलाश 'मानव' ने याशा को आशीर्वाद दिया और उसके सुखी जीवन की मंगलकामनाएँ की।

देने का संस्कार

एक संत ने एक द्वार पर दस्तक दी और आवाज लगाई भिक्षां देहि , एक छोटी बच्ची बाहर आई और बोली, ''बाबा, हम गरीब हैं, हमारे पास देने को कुछ नहीं है।

संत बोले, ''बेटी, मना मत कर, अपने आंगन की धूल ही दे दे। लड़की ने एक मुट्ठी धूल उठाई और भिक्षा पात्र में डाल दी शिष्य ने पूछा, ''गुरु जी, धूल भी कोई भिक्षा है? आपने धूल देने को क्यों कहा? संत बोले, ''बेटे, अगर वह आज ना कह देती तो फिर कभी नहीं दे दिव्यांग बन्धुओं की दिव्यांगता ऑपरेशन से दूर की जाती है, किन्तु इतना मात्र पर्याप्त नहीं है।

दिव्यांगों को शारीरिक दृष्टि से पूर्ण स्वावलंबी बनाने में फिजियोथैरेपी का विशिष्ट स्थान है। फिजियोथैरेपी की सहायता से अंग–प्रत्यंगों, मांसपेशियों की कसरत होती है और शारीरिक सक्रियता में सहायता मिलती है। संस्थान का फिजियोथैरेपी केन्द्र इस दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। यहाँ विविध प्रकार की मशीनों और उपकरणों की पाती।

आज धूल दी तो क्या हुआ, देने का संस्कार तो पड़ गया आज धूल दी है, उसमें देने की भावना तो जागी, ... कल समर्थवान होगी तो फल–फूल भी जितनी छोटी कथा है निहितार्थ उतना ही विशाल. ....साथ में आग्रह भी..... दान करते समय दान हमेशा अपने परिवार के छोटे बच्चों के हाथों से दिलवाये, जिससे उनमें देने की भावना बचपन से बने।

जुग-जुग जीएँ 'मानव सा.'

ख्यालीराम–बौद्धदेवा निवासी कनीगवा जिला बदायूँ (उ.प्र.) के खेतीहर साधारण परिवार का बेटा नरेशपाल (19) दोनों पाँव से लाचार था। करीब ढाई साल की उम्र में बुखार के दौरान लगे इंजेक्शन के बाद दोनों पाँव लगातार पतले होते चले गए। बिना सहारे के लिए उठना, बैठना और खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया। मथुरा में इलाज भी करवाया परन्तु हालत वही रही। नरेश ने बताया कि हरियाणा में उसके परिवार से सम्बद्ध व्यक्ति ने नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर में पोलियो चिकित्सा की जानकारी दी जिसका इलाज भी यहीं हुआ था। नरेश के साथ आए उसके भाई अभय सिंह ने बताया कि ऑपरेशन हो चुका है। हम पूरी तरह संतुष्ट हैं।

दुनियाभर में संस्थान का प्रचार होना चाहिए ताकि हम जैसे गरीब लोग भी इसका लाभ ले सकें। इसके संस्थापक पूज्य 'मानव सा.' के जुग–जुग जीने की प्रभु से कामना करते हैं।

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,61,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	15 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,81,000	6 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	16,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग तिथि

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु चयन करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
ट्राईसाइकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
बैसाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1. प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 व्हाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सम्पादकीय

इन दिनों पारिवारिक रिश्ते कुछ ज्यादा ही दरकने लगे हैं। भारत में विवाह–विच्छेद की दर बढ़ती जा रही है। पीढ़ी अंतराल के कारण पिता–पुत्र में पटरी बैठ नहीं पा रही है। अन्य रिश्तों की तो औकात ही क्या हैं? जब अंतरंग और प्रगाढ़ रिश्तों में भी निरंतर दरारें आने लगे तो हमें रुक कर सोचना चाहिए कि गलत क्या और क्यों हो रहा है। इनके कारण तो अनेक हो सकते हैं, हरेक मामले की अपनी प्र.ति होती है पर मोटे तौर पर जो लगता है वह है पति–पत्नी में एक दूसरे को समझने का धैर्य खोता जा रहा है। त्वरित निर्णय की प्र.ति हावी होने के कारण बिना गहन विचार किये पति, पत्नी पर और पत्नी पति पर अपने मत को आरोपित करके उन्हें अपने अनुसार सोचने, चलने व व्यवहार करने के सांचे में ढालना चाहते हैं। पर स्वाभाविक है कि हर व्यक्ति का आत्मसम्मान होता है, वह आहत हो तो उत्तेजना होना भी स्वाभाविक है। ऐसे ही पिता–पुत्र में भी है, वे अपने को ही समझदारी का पुरोधा मानकर दूसरे को नासमझ मानते हैं। ये दोनों रिश्ते एक बारीक सी त्रुटि से ही कमजोर होते जा रहे हैं। एक दूसरे को समझने व समझाने का दौर जब–जब मंदा होता है तब–तब ऐसे संकट आते हैं। इन्हें परस्पर संवाद व समझ से ही हल किया जा सकता है।

कुछ काव्यमय

जो भी मेरे हाथ है,
नहीं चलेगा साथ।
फिर भी मैं माना नहीं,
क्षमा करो हे नाथ।।
क्या लेकर कोई गया,
मिलते नहीं प्रमाण।
मन मेरा माना नहीं,
सुनता रहा बखाण।।
ना तो कुछ लाया यहाँ,
ना पाऊँ ले जाय।
फिर किसकी चिन्ता करूं,
किसकी हाय बराय।।
जो जाना था साथ में,
उस पे दिया न ध्यान।
व्यर्थ किया जीवन सकल,
बना रहा नादान।।
अब भी अवसर शेष है,
हे मेरे करतार।
माफ करो सब गलतियां,
देओ मुझे सुधार।।

- बरदीचन्द राव

गरीबों के घर पहुंचा राशन

देश के विभिन्न शहरों में गरीब और बेरोजगार परिवारों तक प्रतिमाह राशन पहुंचाने का क्रम जुलाई–अगस्त माह में भी जारी रहा। नारायण गरीब परिवार राशन योजना कोविड–19 की पहली लहर में ही 50 हजार गरीबों तक राशन पहुंचाने के लक्ष्य के साथ संस्थान ने शुरू की थी। इस योजना में अब तक 35 हजार से अधिक परिवारों को प्रतिमाह राशन पहुंचाया गया है।

पोपल्टी– संस्थान ने उदयपुर जिले की गिर्वा तहसील की आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत पोपल्टी में राशन वितरण शिविर आयोजित किया। जिसमें पोपल्टी और आसपास के बेरोजगार आदिवासियों को 100 मासिक राशन किट, 150 साड़ियां और 200 बच्चों को बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। जिले में जुलाई माह में 1850 राशन किट बांटे गए तथा 5000 से ज्यादा जरूरतमंदों को मदद पहुंचाई गई। शिविर में संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल एवं सुश्री पलक जी अग्रवाल सहित 10 सदस्यीय टीम ने सेवाएं दी।

कैथल– हरियाणा के कैथल शहर में जुलाई को सम्पन्न नारायण गरीब परिवार राशन शिविर में 38 परिवारों को एक माह का राशन वितरित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री विकास जी शर्मा थे। अध्यक्षता श्री सतपाल जी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री रामकरण जी श्री मदनलाल जी मित्तल थे। संस्थान की स्थानीय शाखा के संयोजक श्री सतपाल जी मंगला ने अतिथियों का स्वागत किया। शिविर में स्थानीय शाखा के सदस्य श्री दुर्गा प्रसाद जी श्री सोनू जी बंसल व श्री जितेन्द्र जी बंसल भी उपस्थित थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री लाल सिंह जी भाटी व श्री रामसिंह जी ने किया।

खेतड़ी– झुंझुनू (राजस्थान) जिले के खेतड़ी शहर में 18 चयनित परिवारों को मासिक राशन किट प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक श्री विजयकुमार जी व विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री ओमप्रकाश जी श्री कपिल जी व श्री पवन जी कटारिया थे। अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री गोकुलचन्द्र जी ने की। शिविर प्रभारी मुकेश जी शर्मा ने कोरोनाकाल में संस्थान की विविध सेवाओं की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

भुवनेश्वर– द ओडिशा फॉर ब्लाईंड एवं संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शिविर में निर्धन एवं बेरोजगार चयनित 100 परिवारों को राशन किट का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि द ओडिसा ऐसोसिएशन फॉर ब्लाईंड के सचिव श्री शरद कुमार दास थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शेख समद कडापार, श्री कपिल साई और रश्मी रंजन साहू मंचासीन थे।

शिविर प्रभारी लाल सिंह जी भाटी के अनुसार शिविर में अतिथियों ने कोरोनाकाल में संस्थान की ओर से की जा रही सेवाओं की मुक्तकंठ से सराहना की।

चेंगलपट्टू– तमिलनाडू के चेंगलपट्टू में 78 गरीब व बेरोजगार परिवारों को राशन किट दिए गए। शिविर प्रभारी लाल सिंह जी भाटी के अनुसार एस. आर. एम. के चेयरमैन श्री सत्यसाई जी मुख्य अतिथि के रूप में पधारे, जबकि विशिष्ट अतिथि जी. वी. एस. के निदेशक श्री एम. जी. साहब, सचिव श्रीमती विमला जी व ट्रस्टी श्री व्यंकटेश जी थे। अध्यक्षता पुलिस निरीक्षक श्री सरवनराम जी ने की।

रतलाम– मध्यप्रदेश के रतलाम शहर में स्व. श्रीमती विमला मुखिजा की पावन स्मृति में श्री एन. डी. मुखिजा के सहयोग से नारायण गरीब राशन योजना शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 24 परिवारों को 1 माह का राशन वितरित किया गया। मुख्य अतिथि श्री कांतिलाला जी छाजेड़ थे। अध्यक्षता ठाकुर मंगलसिंह जी ने की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री गौरीशंकर शर्मा, श्याम बिहारी जी भारद्वाज, वीरेन्द्र जी शक्तावत, बलराम जी त्रिवेदी, राजू भाई अग्रवाल, मोहनलाल जी व निरंजन कुमावत बिराजित थे। संचालन शिविर प्रभारी श्री मुकेश जी शर्मा ने किया।

भारतीपुरम– संस्थान की गरीब परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण योजना के तहत भारतीपुरम (तमिलनाडू) में 110 परिवारों को आयोजित शिविर में राशन किट वितरित किए गए। शिविर प्रभारी लालसिंह जी भाटी ने बताया कि मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मरगधाम एवं विशिष्ट अतिथि श्री वेंकेश थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री युवराज जी ने की। जिन लोगों को राशन वितरण किया गया, उनमें कुष्ठ रोगी भी थे।

आपकी संस्थान द्वारा नर सेवा : नारायण सेवा

गोविन्दपुरा गाँव, जिला भिवानी हरियाणा से आये श्री सुरेश कुमार पिता श्री राम किशन, उम्र 25 वर्ष जन्म से ही पोलियो रूपी अभिशाप झेल रहे हैं। श्री सुरेश कुमार ने कक्षा चार तक अध्ययन किया है। पिता श्री राम किशन मध्यम आय वर्गीय कृषक है, जो बताते हैं कि सेवा सौभाग्य के माध्यम से नारायण सेवा संस्थान रूपी सेवा मंदिर की जानकारी मिली। आशा की किरण लिये संस्थान में आये और संस्थान के चिकित्सकों द्वारा जांच कर ऑपरेशन किया गया। वे बताते हैं कि मेरा यहाँ कोई पैसा खर्च नहीं हुआ। यह संस्थान पोलियो रूपी दानव को मारकर पुण्य का कार्य कर रही है।

राजकोट, गुजरात निवासी श्री प्रतीक सोनी पिता श्री सतीश सोनी, उम्र 15 साल जो जन्म से ही मानसिक पक्षाघात के शिकार है। श्री प्रतीक सोनी ने कक्षा सात तक अध्ययन किया है। श्री सतीश सोनी का अपना सोने का व्यवसाय है वे बताते हैं कि– बम्बई, हैदराबाद जैसे कई महानगरों के चिकित्सालयों में इलाज कराया, परन्तु कोई सफलता नहीं मिल सकी। टीवी पर संस्थान की सेवाओं के बारे में जानकर उदयपुर आये और उसी दिन ऑपरेशन कर दिया गया। यहाँ के सेवा कार्य देखकर हर रोगी को परमानन्द मिल जाता है। संस्थान में सम्पूर्ण व्यवस्था निःशुल्क है।

कोविड के बाद की बात

1 हजार में से एक मरीज में गॉल ब्लैडर में गेंगरीन के मामले सामने आते हैं।

जाने क्या है गैंगरीन

कोरोना वायरस जब रक्तधमनियों मे पहुंचता है तो वहां थक्का बनने लगता है। ऐसे में रक्त बनने लगता है। ऐसे में रक्त के हृदय की नसों में जमने से हार्ट अटैक, फेफड़ो में जमने से सांस लेने में दिक्कत व जोड़ो में जमने से दर्द होता है। जब वायरस कोशिकाओं तक पहुंचकर रक्त का धक्का जमाता है तो उस अंग को रक्त की आपूर्ती नहीं होती व अंग सड़ने लगता है। इसको गैंग्रीन कहते है।

कब होती है आशंका

क्रॉनिक रोगी, डायबिटीज या मोटापा की शिकायत हो उनके गॉल ब्लैडर में गैंगरीन की आशंका बढ़ जाती है। इस स्थिति में उन्हें प्रमुख लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए।

सर्जरी कारगर तरीका

लक्षणों के आधार पर सोनोग्राफी करते है और बायोप्सी जांच से गैंगरीन की पुष्टि होती है। अधिकांश मामलों में सर्जरी करते है। मरीज को एंटीबायोटिक दवाएं देते है। कोविड वैक्सीन जरूर लगवाएं।

लक्षणों पर ध्यान दें

पोस्ट कोविड या जिन्हें बार–बार पथरी की शिकायत रहती है, उन्हें पेट के ऊपरी भाग में तेज दर्द, बुखार आना और कभी–कभी उल्टी होने जैसे लक्षणों पर ध्यान देना चाहिए।

(यह जानकारी विविध स्रोतों से प्राप्त है कृपया चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।)

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	15 ऑपरेशन के लिए	62,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,61,000	6 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग तिथि

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु चयन करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
ट्राइसिकल साइकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
केलीपर	2000	6,000	10,000	22,000
बैसाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	5100	15,300	25,500	56,100

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक. कैलाश चन्द्र अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से 4, उदयपुर (राज) स्वामित्व. नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल. ई, डी-71 बापा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर मुद्रक न्यूटुंक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर -3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियों का गुडा, उदयपुर सम्पादक: लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 82 7860 7811, 9119398965 • ई-मेल: mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. . RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं . RJ/UD/29-154/2021-2023